नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नाराकास)-जूनागढ़ की द्वितीय बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 29 अप्रैल 2016 को 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नाराकास)-जूनागढ़ की द्वितीय बैठक हुई, जिसका आयोजन भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में किया गया | इस बैठक में कुल 07 सदस्य-कार्यालयों ने भाग लिया| यह बैठक डॉ. राधाकृष्णन टी, निदेशक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई | इसका संचालन डॉ. महेश कुमार महात्मा, सदस्य राजभाषा हिंदी समिति जूनागढ़ एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा किया गया |

इस प्रथम बैठक में डॉ० ए.एल.सिंह, वरिष्ठतम प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़, ए.एन. भार्गव, वरिष्ठ स्टेशन प्रवंधक, भारतीय रेल जूनागढ़, श्री मुकेश एन. साता, प्रशासनिक अधिकारी ,यूनाइटेड इंडिया इन्सयोरेंस कंपनी लिमिटेड जूनागढ़, श्री मनीष कुमार दाफडा निरीक्षक आयकर कार्यालय जूनागढ़, श्री वी.एच. रोकड जू. हिंदी अनुदायक, जाहिद ए. कुरैशी सहकर्मी भारतीय जीवन बीमा निगम जूनागढ़, व सी.पी. राठोड जन संपर्क अधिकारी भारतीय डाक विभाग जूनागढ़, इत्यादि उपस्थित रहे | इस छमाही बैठक का शुभारम्भ माननीय अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया साथ ही भाकृअनुप का गान प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात अध्यक्ष के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें पुष्प-गुलदस्ते भी भेंट किये गए | अपने स्वागत भाषण में डॉ. महेश कुमार महात्मा, ने सभी सदस्यों का सह ह्रदय से अभिवादन करते हुये बैठक में सभी सदस्यों को भाग लेने के लिए स्वागत किया साथ ही इस बैठक के सफल होने की कामना की | इसके पश्चात श्री दरवेश कुमार प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ को राजभाषा हिंदी पर व्याख्यान देने के लिए आमन्त्रित किया गया जिन्होंने काफी सरल भाषा में राजभाषा हिंदी को बहुत अच्छे ढंग से व्यक्त किया तथा जूनागढ़ स्थित विभिन्न सदस्य-कार्यालयों की छमाही रिपोर्ट का पॉवर-पॉइंट प्रस्तुत किया, जिसकी समीक्षा डॉ. राधाकृष्णन टी, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़, द्वारा की गयी |

भारतीय जीवन बीमा निगम, जूनागढ़ द्वारा हिन्दी में किया गया कार्य, निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप एवं बड़ा सराहनीय रहा | विभिन्न पत्रों के हिन्दी में उत्तर को 83.79% पाया गया जो निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप था |

हिंदी और अंग्रेज़ी में टिप्पणीयों की संख्या निर्धारित लक्ष्य से कम थी | जिसे आगामी छमाही बैठक तक सुधारने की अति आवश्यकता है | इस बात पर बल दिया गया कि आतंरिक प्रशासनिक बैठकों की कार्यवाही पूरी तरह से हिंदी में होनी चाहिए |

भारत संचार निगम, जूनागढ़ द्वारा हिन्दी में किया गया पत्राचार का कार्य, निर्धारित लक्ष्य से बहुत कम (67%) पाया गया, जिसे आगामी छमाही बैठक के दौरान सुधारने की आवश्यकता है | इस बात पर बल दिया गया कि आतंरिक प्रशासनिक बैठकों की कार्यवाही पूरी तरह से हिंदी में होनी चाहिए |

भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा हिन्दी में किए गए ,अधिकांश कार्य निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप एवं सराहनीय थे, आंतरिक प्रशासनिक बैठकों की कार्यवाही पूरी तरह से हिन्दी में होनी चाहिए एवं तकनीकी शब्दों के लिप्यांतरण की भी सलाह दी गई।

भारतीय रेलवे जूनागढ़ द्वारा हिंदी में किये गए कार्य, लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाये गए| अतः भविष्य में, निपुणता लाकर कार्य प्राणाली को सुधारने की सलाह दी गई |

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नाराकास)-जूनागढ़ की अगली बैठक सितम्बर महीने में प्रस्तावित है, जिससे पहले हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार की आवश्यकता जाहिर की गई | इसके अंतर्गत विभिन्न सदस्य-कार्यालयों को कुछ विशिष्ठ कार्य दिये गए जो इस प्रकार हैं:-

1. भारत संचार निगम, जूनागढ़: आगामी बैठक से पूर्व हिंदी सुलेखन का आयोजन|

2 भारतीय जीवन बीमा निगम, जूनागढ़: हिंदी अनुवाद का आयोजन|

3.भारतीय डाकघर विभाग जूनागढ़: हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन|

4.भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ द्वारा हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं फिल्म दिखाकर कहानी प्रतियोगिता का आयोजन|

5.भारतीय रेलवे जूनागढ़: रेल संबंधी संगोष्ठी का आयोजन|

सामान्य चर्चा

- श्री दरवेश कुमार प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ ने सभी अधिकारियों से निवेदन किया कि अगर शीर्ष-अधिकारी अनुदेश हिन्दी में जारी करेंगे तो उनका निष्पादन भी हिन्दी में ही होगा, जिससे हिन्दी में होने वाले कार्यों को बढ़ाने में अधिकाधिक मदद मिलेगी |
- निदेशक महोदय ने खेद जताया कि जूनागढ़ में स्थित 32 से भी अधिक सदस्य-कार्यालयों को बैठक के लिए आमंत्रित किया गया, इनमें से सिर्फ 07 ही सदस्य-कार्यालयों ने इस अति-महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया| इन सभी सदस्य-कार्यालयों की अनुपस्थिति को काफी गंभीरता से लिया गया है तथा उन्हें अगली बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा जायेगा |
- अध्यक्ष महोदय, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ ने उन सभी संगठनों, जो इस बैठक में किसी भी कारण वश शामिल नहीं हो पाये उन्हें पत्र द्वारा सूचित करके अगली छमाही बैठक में उपस्थित होने को कहा जायेगा |
- अध्यक्ष महोदय ने इस बात पर बल दिया कि अगली तिमाही प्रगति रिपोर्ट, तिमाही समाप्त होने के पाँच दिनों के अंतर्गत भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ को सभी सदस्य-कार्यालयों से मिल जानी चाहिए|
- बैंक एवं अन्य सदस्य-कार्यालयों की सुविधा देखते हुये सभी कार्यक्रमों का आयोजन 14:00 बजे के बाद करने की सलाह दी गई ।

अध्यक्ष, डॉ. राधाकृष्णन ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने कि दिशा में सभी सदस्य-कार्यालयों के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की | उन्होंने बताया कि संस्थान की वेब-साइट rajbhasha.nic.in पर नराकास-जूनागढ़ का पेज बना दिया गया है जिसमें सभी आवश्यक जानकरियाँ उपलब्ध रहेंगी तथा सभी सदस्य कार्यालय rajbhasha.nic.in ई-मेल से संपर्क कर जानकारीयों को प्राप्त कर सकेंगे|

श्री रणवीर सिंह ने अपने धन्यवाद ज्ञापन मे सभी महमानों का अभिवादन किया, और विश्वास जताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जूनागढ़, डॉ. राधाकृष्णन के सानिध्य में नई ऊंचाईयों को हासिल कर सकता है |

अंत में डॉ. महेश कुमार महात्मा, ने सभी सदस्यों द्वारा इस बैठक को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया तथा अध्यक्ष द्वारा बैठक को संपन्न घोषित किया गया |

(डॉ. राधाकृष्णन टी.)
अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जूनागढ़
निदेशक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़